IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 5, Issue 1, November 2025
Impact Factor: 7.67

y?kq ,o dqVhj m|ksx dk vkfFkZd&lkekftd thou ij izHkko ¼jhok ftys ds fo'ks"k lanHkZ esa½

Mk- jkts'k frokjh
सहायक प्राध्यापक अर्थशास्त्र
शारदा महाविद्यालय सरला नगर, मैहर (म.प्र.)

y{eh flag dksy
शोधार्थी, शास. ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय, रीवा (म.प्र.)

'kks/k lkjka'k %&

लघु उद्योग अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। ये उद्योग न केवल रोजगार के अवसर प्रदान करते हैं, बल्कि स्थानीय संसाधनों का आव''यकतानुसार उपयोग करके स्थानीय विकास को भी प्रोत्साहित करते हैं। यह उपक्रम आर्थिक उन्नति में आम आदमी की सहभागिता निरूपण के लिए समय–सापेक्ष योजनाओं को तैयार करने में सहायक हाती हैं। छोटे–छोटे निर्माण कार्य लघु उद्योग की आधार भूमि तैयार करते हैं। लघु उद्योग वे उद्योग होते हैं जिनका आकार और उत्पादन क्षमता छोटी होती है। ये उद्योग सामान्यतः स्थानीय स्तर पर संचालित होते हैं और इनमें निवेश और कार्यबल की आवश्यकता कम होती है। लघु उद्योग का मुख्य उद्देश्य छोटे पैमाने पर उत्पादन करना और स्थानीय समुदायों के लिए रोजगार के अवसर उत्पन्न करना होता है। लघु उद्योग न केवल आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करते हैं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक प्रगति में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये उद्योग स्थानीय उत्पादों का उत्पादन करते हैं और स्थानीय बाजारों में उनकी बिक्री करते हैं। इसके अलावा, लघु उद्योग नवाचार और उद्यमिता को भी प्रोत्साहित करते हैं।

'kCn cht %&लघु, कुटीर, उद्योग, आर्थिक, सामाजिक, जीवन, सांस्कृतिक सहभागिता, हस्तशिल्प, विकासोन्मुख आदि।